Centenary Celebrations
University of Delhi
Culture Council

Organises

MAGIC SHOW

(A Confluence of Science and Art)

by

Jadugar Samrat Shankar

Chief Guest

Prof. Yogesh Singh

Hon'ble Vice Chancellor, University of Delhi

Date: May 3, 2023 (Wednesday) at 4:00 PM

Venue: Multipurpose Hall, Sports Complex, University of Delhi

R.S.V.P.

Dr. Vikas Gupta
Registrar
University of Delhi
Email: registrar@du.ac.in
Tel: 011-27667853

Prof. Ravinder Kumar
Dean, Culture Council
University of Delhi
Email: culturecouncil@du.ac.in
Tel: 011-27667450

Security Instructions

1. Please be seated by 3:45 PM.
2. Scan the QR code for registration to get your unique entry code.
3. E-code is necessary for entry into the venue.
4. An item such as briefcase/handbag/arms/camera etc. will not be permitted.
5. Please switch off your mobile phone during the show.
6. No food and drinking items will be allowed inside the venue.
7. Kindly wear your mask and mantain social distancing. Kindly follow the Covid protocols and ensure proper vaccination.
8. Entry from Gate No. 3.

REGISTRATION QR CODE

ENTRY STRICTLY BY REGISTRATION

Magic Show: The Confluence of Science and Art
(A Performance that Explores the Wonders of Science and Art)

The University of Delhi is always striving to revive and expand the Indian knowledge system, hundreds of extinct arts, cultures, and values among the youth. In the same series, bringing a confluence of scientific skills and captivating the audience with the wonders of science and art, the University of Delhi presents the show of the great magician of this century. 'Samrat Shankar', making a significant contribution to saving the ancient art of magic in India from disappearing. The art of magic is one of the many ancient arts of India. In the present modern context, this Indian heritage is on the verge of disappearing. Through this performance of magic, the enthusiasm can be awakened and is an effort to introduce the students of the University to the amazing and fascinating wonders of science and the rich heritage of ancient Indian art. The magic show will showcase several scientific principles and various forms of Indian art, which are invisible yet entertaining.

The objective of this event is to provide students with a fascinating educational experience that combines scientific perspectives, cultural knowledge, entertainment, and an enjoyable learning experience outside the classroom. This show, which brings together magic, science, and art, will undoubtedly inspire and promote enthusiasm and respect for both fields among the audience. The enthusiasm of the great magician 'Jadugar Samrat Shankar' will not only provide brief information about the relationship between science and art but also provide an opportunity to become familiar with this Indian art form that is full of interest and capable of captivating people's hearts. Therefore, students will receive an entertaining, amazing, and unforgettable experience that will undoubtedly be useful in the future.

Jadugar Samrat Shankar

One of the celebrated names in the world of magic, who has taken the art of magic to its pinnacle, is Samrat Shankar. Along with being a skilled magician, he has been connecting youth to Indian culture through countless magic presentations in India and abroad for decades. Shankar, the magician, has made a great contribution to saving the ancient art of magic in India from disappearing. He is a skilled magician who is adept at introducing the wonders of science and the rich heritage of ancient Indian art in a fascinating and interesting way through his magic performances. Magic has been an ancient art in India for thousands of years, and talented artists like Samrat Shankar have been introducing it to the masses.

Samrat Shankar sets up a platform for youth to explore their country's history, culture, and arts through his performances. When he displays his presentation, people's eyes are left wide open with curiosity, and they are left wondering how something impossible can be made possible. His art, which surprises and amazes audiences, often draws them to him. As a master of the art that excites the hearts and emotions of people, the 70-year-old young magician Samrat Shankar has been proudly displaying his magic feats to this day with great enthusiasm. As an artist, Samrat Shankar not only mesmerizes his audiences but also spreads knowledge about Indian culture and heritage to the younger generation.

Samrat Shankar completely understands the social responsibility of an artist. This is the reason why during the time of the Corona virus, he contributed to several awareness campaigns related to coronavirus by visiting many television channels.

विज्ञान और कला का संगम - 'जादू का खेल'
(विज्ञान और कला के आश्चर्यों की खोज करता जादू का प्रदर्शन)

भारत की प्राचीनतम अनेक कलाओं में जादू की कला भी है। वर्तमान आधुनिक परिपेक्ष्य में यह भारतीय धरोहर विलुप्त होने की कगार पर है| अमृत काल में भारतीय ज्ञान प्रणाली, अस्तित्वहीन होती सैंकड़ों कलाएं और संस्कृति व मूल्यों की युवाओं के मध्य पुनः स्थापना एंव विस्तार हेतु दिल्ली विश्वविद्यालय सदैव प्रयासरत है। उसी श्रृंखला में, मनोवैज्ञानिक कौशल की पराकाष्ठा को दर्शाता व विज्ञान और कला का अभिभूत कर देने वाला संगम लेकर प्रस्तुत है इस सदी के महानतम जादूगर 'सम्राट शंकर' का जादू का खेल। भारत में जादूगरी की प्राचीन कला को लुप्त होने से बचाने में इनका बड़ा योगदान है। जादू के प्रदर्शन के माध्यम से विश्वविद्यालय के छात्रों को अद्भुत और रोचक ढंग से विज्ञान के आश्चर्य और प्राचीन भारतीय कला की समृद्ध विरासत का परिचय करवाने हेतु उत्सुकता जागृत की जा सकती है। जादू के खेल में उल्लेखित कई वैज्ञानिक सिद्धांतों और अदृश्य होती भारतीय कला के विभिन्न रूपों को मनोरंजक प्रदर्शनों के माध्यम से दर्शाया जाएगा। इस आयोजन का उद्देश्य छात्रों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण और संस्कृतिक ज्ञान के साथ-साथ मनोरंजन और कक्षा के बाहर एक रमणीय शिक्षा का अनुभव प्रदान करना है। जादू-विज्ञान और कला को एकत्र करता यह शो अवश्य ही दर्शकों में दोनों क्षेत्रों के प्रति उत्साह और सम्मान का विकास करेगा। महारथी जादूगर 'सम्राट शंकर' का उत्साह न केवल दर्शकों को विज्ञान और कला के मध्य सम्बन्धों के बारे में संक्षिप्त जानकारी देगा बल्कि रोचकता से भरपूर, लोगों के हृदय को हर लेने वाली, इस भारतीय कला से भली भांति परिचित होने का अवसर भी प्रदान करेगा।अतः, व्यापक तौर पर छात्रों को एक मनोरंजक, अद्भुत उत्साहजनक और अविस्मरणीय अनुभव मिलेगा जो भविष्य में निश्चित रूप से उपयोगी होगा।

जादूगर सम्राट शंकर

जादू की कला को शीर्ष तक पहुंचाने वालों में एक बड़ा नाम सम्राट शंकर का है। कुशल जादूगर होने के साथ-साथ वे देश विदेश में अनगिनत जादू प्रस्तुतियों के माध्यम से युवाओं को भारतीय संस्कृति से जोड़ने का पावन कृत्य दशकों से करते आ रहे हैं। भारत में जादूगरी की प्राचीन कला को लुप्त होने से बचाने में जादूगर शंकर का बड़ा योगदान है। जादू के प्रदर्शन के माध्यम से अद्भुत और रोचक ढंग से विज्ञान के आश्चर्य और प्राचीन भारतीय कला की समृद्ध विरासत का परिचय करवाने में जादूगर शंकर हस्तसिद्ध हैं। जादूगरी हजारों वर्षों से चली आ रही भारत की प्राचीन कला है जिसका परिचय सम्राट शंकर जैसे कौशलपूर्ण कलाकार जन-जन के मध्य करते आए हैं। सम्राट शंकर अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से ऐसा मंच स्थापित करते हैं जहाँ युवाओं का अपने देश के इतिहास, संस्कृति और कलाओं से साक्षात्कार होता है।

सम्राट शंकर जब अपनी प्रस्तुति दिखाते हैं, तो लोगों की आँखें कौतुहलवश खुली की खुली रह जाती हैं और वे सोच में पड़ जाते हैं कि कोई असंभव कार्य कैसे संभव हो सकता है। दर्शकों को अचंभित करने वाली उनकी यही कला लोगों को उनकी ओर प्रायः खींचती है। जन-जन के हृदय और भाव तरंगों को उद्वेलित करने वाले कला के महारथी 70 वर्ष के युवा जादूगर सम्राट शंकर बड़े उत्साह से आज तक अपनी जादूगरी के कारनामे दिखाते आ रहे हैं।

एक कलाकार के रूप में सम्राट शंकर की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि भारतीय संस्कृति उनकी कला का मूल है जिसे वे अपनी हर प्रस्तुति में प्रतिस्थापित करने का कोई अवसर नहीं चूकते हैं। उनके ट्रिक्स में हमारे देश के कलाकारों की कला से लेकर धार्मिक अनुष्ठानों तक सभी पक्ष शामिल होते हैं। इस तरह से वे युवाओं को अपनी असली पहचान से जोड़ने और उन्हें इतिहास और सांस्कृतिक परंपरा से साक्षात्कार कराने का पुनीत कार्य करते हैं।

सम्राट शंकर एक कलाकार की सामाजिक जिम्मेदारी को पूर्णतया समझते हैं। यही कारण है कि कोरोना काल के दौरान उन्होंने कई टीवी चैनलों पर जाकर कोरोना से संबंधित जागरूकता अभियानों में अपना योगदान दिया।